RE: VISIT OF NIC-MP'S COMMITTEE TO AYODHYA

THE DEPUTY CHAIRMAN: Report of the Committee on the welfare of the Schedule Castes and Scheduled Tribes. Shri Anand Prakash Gautam. Not here.

Statutory Resolution and Motion on Nagaland. Shri S. B. Chavan.

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Madam, only one minute I will take.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let me get used to the darkness in the House as it takes some time to get used.

PROF. SAURIN BHATTACHARYA (West Bengal): You took the name of the Leader of the House, the House went into darkness.

SHRI V. NARAYANASAMY: Madam, the NIC and the MPs have visited Ayodhya. They have submitted a report under the leadership of Shri S. R. Bommai, the Leader of the Janata Dal party. The Home Minister is seized of the matter. In the report it is said that the Chief Minister of Uttar Pradesh gave an assurance in the NIC meeting that he will not violate the orders of the court but he violated. That is the observation made by the Committee which visited Ayodhya.

Therefore, I would like to know from the hon. Home Minister what action he proposes to take.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order in the House. I request the Members to please sit down.

SHRI V. NARAYANASAMY: What action does he propose to take for violation of the court orders by the Chief Minister of Uttar Pradesh and the Uttar Pradesh Government as far as the Ayodhya issue is concerned? I want the Home Minister to come out with a categorical statement about it on the basis of the report submitted by the NIC.

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI S. JAIPAL REDDY): Madam, call the House to order.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) उपसभापति महोदया, मैं आपसे एक निवेदन करना चाहता हूं। उत्तर प्रदेश में हरिद्वार के पास जहां पर अर्ध कुम्भ चल रहा है आतंकवादियों ने 11 लोगों की हत्या कर दी है। बढ़ेडी पुल के पास यह घटना घटी। यह खबर आई है कि आतंकवादीयों ने वहां बस को रोक कर के 11 लोगों की हत्या कर दी (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have already called Mr. Jacob for the Resolution in relation to the State of Nagaland.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : मैं सिर्फ एक मिनट लूंगा। आतंकवाद की समस्या केवल उत्तर प्रदेश की समस्या नहीं है, यह सारे राष्ट्र की समस्या है। लोगों का जीवन उत्तर प्रदेश में खतरे में है। इसलिए मैं गृह मंत्री जी से चाहूंगा कि उत्तर प्रदेश में जो यह घटना घटी है उसके बारे में जानकारी प्राप्त कर के कृपया सदन को अवगत कराएं। 11 आदमियों की हत्या हुई है और 25 आदमी गम्भीर रूप से घायल हैं। ऐसी स्थिति में सारी जानकारी प्राप्त कर के गृह मंत्री जी को सदन को अवगत कराना चाहिये। केवल यही हमारा कहना है। (व्यवधान)

उपसभापति : गृह मंत्री जी ने सुना है, वह जरूर ध्यान देंगे।

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, उनको सदन में बयान देना चाहिए और अगवत कराना चाहिये क्योंकि इस तरह की घटनाएं तराई के इलाके में तेजी से बढ़ती जा रही है। पिछले दिनों में भी एक ऐसी घटना घटी थी। तब भी 11 आदिमयोंको बस रोक कर के जिस तरह से मारा गया था (व्यवधान) इसलिए गृह मंत्री जी को चाहिए कि सदन में जानकारी कर के वक्तव्य दें (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Subramanian Swamy, what is your problem?

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh): It is no problem of mine.

उपसभापति : मुझे हाऊस में थोड़ा पीस ले आने दीजिए फिर बोलिए। यादव जी, सुना है, बहुत खतरनाक है (व्यवधान)

श्री राम नरेश यादव : जो मौतें हुई हैं उनके बारे में भी बयान देना चाहिए।

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Madam Deputy Chairman, I would like to draw the attention of the Government to a news-item. The Home Minister is also here. 'The Hindu' says that the Sri Lankan Tamil refugees are being forcibly sent back to Sri Lanka. Earlier on, the Minister gave an assurance to the House that only those who want to go back would be sent back. Now, this forcible evacuation is against human rights, is against the U.N. Charter, and is against the tradition of India. I, therefore, demand of the Government to give a clarification that they will not forcibly send any Sri Lankan Tamil back to Sri Lanka because they will get butchered there. Secondly, it is our duty to protect them. I hope the Government will clarify that nobody, against his will, will be sent back to Sri Lanka.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): Madam, what the hon. Member is saying is not correct. No such thing is taking place in Tamil Nadu.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: He should contradict the report.

THE DEPUTY CHAIRMAN: He has contradicted it on the floor of the House.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: He has contradicted me. He did not contradict the newspaper report.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You were referring to a newspaper report. It is not your information. He has contradicted, through you, the newspaper report. (*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, Mr. Narayanasamy has raised a very importnt issue. The issue relates to the report submitted by the NIC MPs' Committee which visited Ayodhya. The report, according to newspapers, indicates the U.P. Government. It is imperative that this House be taken into confidence in regard to the contents of that report. It is also imperative that this House discusses the report. The Government should also come forward with its own response to the report. The Home Minister cannot be indifferent to what is going on inside the House, to what is going on outside the House, and to what is contained in the report of the NIC Standing Committee, of which he himself is the Chairman.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Madam, this is a very valid point (*Interruptions*)

SHRI DIPEN GHOSH (West Bengal): Madam Deputy Chairman, you are aware... (*Interruptions*) ,

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : पहले तो मैडम, उस रिपोर्ट को सदन में रखवाना चाहिए। जो रिपोर्ट है वह सदन के पटल पर रखी जाए . . . (व्यवधान) . . .

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदया . . .

उपसभापति : एक मिनट। मैंने आपका समय तो नियुक्त नहीं किया था कि 12 बजकर 3 मिनट पर बुलवाउंगी।

SHRI DIPEN GHOSH: Madam, the NIC team visited Ayodhya following a discussion in Parliament, on the basis of the announcement made by the Union Home Minister. This team had come back and it had sub-

[Shri Dipen Ghosh]
mitted a report to the Home Minister. Only yesterday, the Home Minister advised us not to rely on newspaper reports, but on the proceedings of the House. However, in regard to the contents of the report, we have to depend on newspapers because the Press has already reported it. Therefore, I demand that the report be laid on the Table of the House, with a memorandum by the Home Ministry, so that the Members of this House can discuss this report.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : महोदया, विरोधी दल के नेता और दूसरे साथियों ने जो सवाल खड़ा किया है, मैं उसका समर्थन करता हूं कि जो एन० आई० सी० की रिपोर्ट है, उस पर बहस की जाए।

यह भी मैं मानता हूं कि एन० आई० सी० का नाम लिया गया, लेकिन वह कंग्लोमरेशन था विभिन्न सांसदों का, जिसकी कोई औपचारिक स्थिति तो नहीं थी, लेकिन फिर भी जब सदन की या नेताओं की इच्छा है, यहां बहस होनी चाहिए। यह भी मैं अनुभव करता हूं कि वह एक*
गये थे। वह* रिपोर्ट नहीं है, यह भी मेरा आग्रह है। इस पर बहस करना चाहता हूं.... **(व्यवधान)**...

SHRI DIPEN GHOSH: This is an objectionable remark. (Interruptions)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will see the record and I will remove it.

श्री शंकर दयाल सिंह : महोदया, यह बहुत आपत्तिजनक शब्द है। माननीय माथुर साहब का यह कहना कि "वह*
गये थे", यह बहुत ही आपत्तिजनक शब्द है। ... **(व्यवधान)**... मैं समझता हूं कि माथुर साहब जैसे वरिष्ठ सदस्य द्वारा इस तरह के शब्द इस्तेमाल करके उस समिति की रिपोर्ट की महत्ता को कम करने की चेष्टा की जा रही है।

इसलिए मैं समझता हूं कि जिस वाक्य का प्रयोग आदरणीय माथुर साहब ने किया है वह आपत्तिजनक वाक्य है और इससे उस रिपोर्ट की महत्ता कम की जा रही है और मैं मांग करता हूं कि सदन के पटल पर उस रिपोर्ट को रखवाने की व्यवस्था की जाए।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : गृह मंत्री जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि वहां की सत्ता को धारा 356 लागू करके... **(व्यवधान)**... यह इस बात का इंडिकेशन है कि ... **(व्यवधान)**...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Mathur, you are a Member of this House and if you say,

I कि* मेम्बर्स ने नहीं किया then, it includes you also.

कि हाऊस के लोग*
काम नहीं करते * यह कहना आपको शोभा नहीं देता... **(व्यवधान)**...

आप या तो यह अल्फाज वापिस ले लीजिए, नहीं तो मैं रिकार्ड से निकाल दूंगी।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : गृह मंत्री का जो यहां पर सदन में वक्तव्य है, उसमें है कि धारा 356 लागू की जा सकती है।

वह इस बात का इशारा था कि एक विशेष*
सरकार भेज रही है धारा 356 की बात रिपोर्ट के आने के बाद वक्तव्य देते, तो मैं समझ सकता था, लेकिन वह तो पहले से ही धारा 356 को लागू करने का गृह मंत्री का वक्तव्य इस बात का संकेत था कि एक विशेष योजना बना करना भेजा जा रहा है।

SHRI V. NARAYANASAMY: That was the quality. (*Interruptions*). The Chief Minister did not submit the documents. They showed scant respect to the NIC. (*Interruptions*)

SHRI DIPEN GHOSH: That report must be laid on the Table of the House so that we can discuss that. (*Interruptions*)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : एक*
सरकार ने भेजा था, यह मेरा आग्रह है... **(व्यवधान)**...

*Expunged an order by the Chair.

श्री राम नरेश यादव : महोदया, माथुर साहब ने जो . . . **(व्यवधान)** . . .

उपसभापति : आप बोल चुके हैं ।

श्री राम नरेश यादव : माथुर साहब ने जो बात कही थी, उसे वापिस नहीं लिया है ।

उपसभापति : मैं रिकार्ड से निकाल दूंगी ।

श्री राम नरेश यादव : क्योंकि माथुर साहब का दृष्टिकोण ही ऐसा है कि वह सही बात को हमेशा झुठलाना चाहते हैं, यही भारतीय जनता पार्टी की नीति रही है । . . . **(व्यवधान)**

मैं फिर जानना चाहता हूं कि जो आपत्तिजनक शब्द उन्होंने कहे हैं, वह उन्हें वापिस लेने के लिए तयार है कि नहीं ?

श्रीमती कमला सिन्हा (बिहार) : हम लोग वहां गये थे । माथुर साहब जो कह रहे हैं, वह गलत बात है । . . . **(व्यवधान)** . . .

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : सरकार ने* भेजा था यह मेरा आग्रह है । . . . **(व्यवधान)**

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Madam, I have a submission. I totally endorse the demand for a discussion on the report While endorsing the demand for a full-fledged discussion, my point is that the delegation was sent there to find out the facts. Now the facts have been found out. The facts have been uncovered and it has been pinpointed that the fault lies with the State Government. The report clearly indicates that the Uttar Pradesh Government is in the fault. Therefore, after sending the delegation and finding out the truth, it is incumbent on us to take the follow-up action. The report was not supposed to be a report to the Minister only. The report was a process that was set in in order to find out the truth and to take the follow-up action.

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र) : अगर बोम्मई कमेटी की रिपोर्ट आई है . . . **(व्यवधान)**

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Therefore, I demand that the report should be discussed. And I believe the remark made by my honorable colleague is highly undignified; improper and its castes a reflection on the dignity of the House.

SHRI DIPEN GHOSH: Let the Home Minister say something. Let him react.

THE DEPUTY CHAIRMAN: If you people keep quiet, I think the Home Minister can say something.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: But the BJP thinks that the UP Government is a foreign government and that it is a law unto itself and it is not subject to Parliament.

SHRI P. UPENDRA (Andhra Pradesh): Madam, I want to make a submission on this....

THE DEPUTY CHAIRMAN: On what? There is no discussion before the House....

SHRI P. UPENDRA: On this itself.

THE DEPUTY CHAIRMAN: This is no discussion. This is only an intervention. There is no substantive motion. There is nothing. It is only that people are just getting up. You might say a point of disorder....

SHRI P. UPENDRA: I was a member of that team and I want to make a submission.

SHRI KAPIL VERMA (Uttar Pradesh): Madam, I want to make a submission....

THE DEPUTY CHAIRMAN: On what? Is it the same matter: Vermaji let me dispose of this matter and then I will call you.

डा० जितेन्द्र कुमार जैन (मध्य प्रदेश) मैडम, रिपोर्ट रखी जानी चाहिए और पू रिपोर्ट रखी जानी चाहिए । हम कोई उस ने समरी नहीं चाहेंगे । हम पूरा बिजनैस च ने कि किस तरह तथ्य की . . . (**व्यवधान**) लिये

SHRI P. UPENDRA: I was also a member of the team and I am non-aligned. I don't belong to any party. I can assure our honourable Members here, we tried to be as objective as possible. It is not fair to accuse the Committee of partiality. It may be some of us did not agree with some language at certain portions. But as regards the main finding....

SHRI PRAMOD MAHAJAN: I totally object to this....

THE DEPUTY CHAIRMAN: He is talking about himself.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: He said "as objective as possible".

THE DEPUTY CHAIRMAN: He is only talking about himself.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: उपेन्द्र जी ने मेरी बात का समर्थन कर दिया है । . . . (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Gurudas Das Gupta, you have already made your point. Will you please allow others?

SHRI P. UPENDRA: I have not yet completed. There may be some doubts about the language used at certain portions. And the Committee was handicapped because the relevant documents and other things which were asked for the U.P. Government were not supplied ...(*Interruptions*)

SHRI RAM JETHMALANI (Karnataka): It is not fair to allow members of the Committee to defend themselves. Make others do it for you.

SHRI P. UPENDRA: I would request the honourable Minister to place the report on the Table of the House.

(*Interruptions*)

उपसभापति: सिकन्दर बख्त साहब एक मिनट प्लीज । एक मिनट राम अवधेश जी, जरा एक सैकण्ड . . . (**व्यवधान**) . . . एक मिनट बैठिएगा । एक मिनट, एक सैकण्ड, बैठिए यहां अभी न रिपोर्ट टेबल पर रखी गई है, न होम मिनिस्टर साहब ने उसके बारे में कुछ कहा है, न हम उस पर डिसकस कर रहे हैं । खाली मैम्बर्ज की डिमांड है उसके ऊपर रिपोर्ट में क्या रेमार्क थे, क्या रेमार्क नहीं थे, यह मैं आपको एलाउ नहीं कर सकती बोलने के लिए, जब होम मिनिस्टर साहब कुछ कहेंगे तब होगा इस विषय में ।

श्री सिकन्दर बख्त : (मध्य प्रदेश) : सदर साहिबा, मैं यह अर्ज करना चाह रहा था कि बात बड़ी सीधी सी है जैसे कि . . . (**व्यवधान**)

†[شری سکندر بخت (مدھیہ پردیش) : صدر صاحبہ میں یہ عرض کرنا چاہ رہا تھا کہ بات بڑی سیدھی سی ہے جیسے کہ . . . (مداخلت) . . . .]

श्री राम अवधेश सिंह (बिहार) : उनकी रोशनी में हमको एक-दो बात कहने दी जाए । इसलिए मैं आपसे प्रार्थना करता हूं . . . (**व्यवधान**) . . .

उपसभापति : अभी राम अवधेश जी यहां कोई मसला है नहीं । यहां जब रिपोर्ट अगर होम मिनिस्टर साहब सदन के पटल पर रखेंगे तब उस सिलसिले में बात होगी, अभी इस सिलसिले में कोई विचार-विमर्श नहीं हो रहा है । मेरे पास स्टैटुचुरी रेजोल्यूशन है नागालैण्ड पर । . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : माननीय उपसभापति जी, उत्तर प्रदेश में आतंकवादी जो हत्या कर रहे हैं उस पर केन्द्र सरकार . . . (**व्यवधान**) . . . होम मिनिस्टर साहब क्यों नहीं रिएक्ट करते ? (**व्यवधान**)

उपसभापति : आपने रिएक्ट करने के लिए निवेदन किया है . . . (**व्यवधान**) . . .

SHRI S. B. CHAVAN: May I say something?

[]Transliteration in Arabic Script.

उपसभापति : बोलिए-बोलिए ।

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल) : उत्तर प्रदेश गवर्नमेंट कानून को बदलना चाह रही है बाबरी मस्जिद राम जन्म-भूमि मामले पर जो केस चल रहा है . . . (**व्यवधान**)

†[شری محمد سلیم : اتر پردیش : گورنمنٹ قانون بدلنا چاہ رہی ہے - بابری مسجد رام جنم بھومی معاملے پر جو کیس چل رہا ہے - . . . (مداخلت) . . .]

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, मैं इसलिए बैठा था कि सवाल दूसरा उठ गया था । मैं यह कहना चाहता हूं कि सवाल जो आज लाया गया है हाउस के सामने वह केवल इतना था कि अखबारात में यह इत्तला आयी है कि कि बोम्बमई साहब के साथ जो लोग गए थे, उन्होंने एक रिपोर्ट होम मिनिस्टर साहब के पास सबमिट की है, वह हाउस में आना चाहिए केवल इतनी बात है और इस बात के साथ सैकड़ों बातें जोड़ने का कोई मकसद नहीं था यह इतना मुतालबा था, वह कर देना चाहिए था, लेकिन हर मौके को और-और बातें कहने के लिए इस्तेमाल करना यह बिल्कुल ईमानदारी की बात नहीं है । जरजीनत यह है कि होम मिनिस्टर साहब यह कहें कि यह क्या वह रिपोर्ट हाउस के सामने रखी जाएगी या नहीं ? इसके आगे कुछ जरूरत नहीं है कहने की । . . . (**व्यवधान**) . . .

†[شری سکندر بخت : عدر صاحبہ اسلئے بیٹھا تھا کہ سوال دوسرا اٹھ گیا تھا - میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ سوال جو آج لایا گیا ہے ہاؤس کے سامنے وہ کیول اتنا تھا کہ اخبارات میں اطلاع آئی ہے کہ بومبئی صاحب کے ساتھ جو لوگ گئے تھے انہوں نے ایک رپورٹ ہوم منسٹر صاحب کے پاس سبمٹ کی ہے - وہ ہاؤس میں آنا چاہئے

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

ہول اتنی بات ہے اور اس بات کے ساتھ سیکڑوں باتیں جوڑنے کا کوئی مقصد نہیں تھا یہ اتنا مطالبہ تھا وہ کر دینا چاہئے تھا لیکن ہر موقع کو اور باتیں کہنے کیلئے استعمال کرنا یہ بالکل ایمانداری کی بات نہیں ہے - زر زینت یہ ہے کہ ہوم منسٹر صاحب یہ کہیں کہ کیا وہ رپورٹ ہاؤس کے سامنے رکھی جائیگی یا نہیں - اسکے آگے کچھ ضرورت نہیں [ہے کہنے کی - . . . (مداخلت) . . .

उपसभापति : एक मिनट, होम मिनिस्टर साहब, आप बोलिए ।

श्री एस ०बी ०चव्हाण : मैडम कल रात मेरे पास अयोध्या के बारे में एन०आय० सी० की स्टेंडिंग कमेटी के कुछ मैम्बर्स और दोनों सदनों के मेम्बर्स की जो मिली-जुली कमेटी थी, उस कमेटी की रिपोर्ट उन्होंने पेश की है । उसमें एक डिसेंडिंग नोट भी हमारे एक ऑनरेबल मैंबर का है । ये दोनों चीजें एक्जामिन होने के बाद क्योंकि यह कोई हाउस की कमेटी तो थी नहीं, गवर्नमेंट ने यह कमेटी कांस्टीट्यूट की थी अपनी अपनी जानकारी के लिए, लेकिन यहां सारे सदन की तरफ से ऐसी आवाज दिखती है जिसके अंदर बी.जे.पी. के मैंबर्स भी शामिल हो रहे हैं कि उस रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखा जाय । यह जो मांग की जा रही है उसको सामने रखते हुए, उसको पूरा एक्जामिन करने के बाद पटल पर रखा जाय या नहीं, इसका फैसला गवर्नमेंट बहुत जल्द करेगी और उसके बाद आपकी यह जानकारी दी जाएगी ।

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, I am on a point of order . . . (*Interruptions*) . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: That is over. (*Interruptions*) . . .

श्री राम नरेश यादव : मैडम, तराई क्षेत्र में . . . (**व्यवधान**) . . . 25 लोग घायल हो गए । माननीय होम मिनिस्टर साहब से मेरा निवेदन है कि उस घटना के बारे में भी सदन को अवगत कराएं ।

SHRI S. JAIPAL REDDY: May I refresh the memory of the Home Minister?

उपसभापति : यह एक्जामिन कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि पता लगाएंगे। एक्जामिन करके जितनी जल्दी होगा आपको जवाब देंगे। वह रखेंगे या नहीं रखेंगे, यह तो उन्हें अभी तय करना है।

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, I am on a point of order. (*Interruptions*)...I am on a point of order. (*Interruptions*). May I refresh the memory of the Home Minister? May I also recall that a suggestion was made by all of us here in this House that a team of MPs should be sent to study the developments in Ayodhya? The Home Minister in response to this demand said that composite team of NIC Members and Members of both Houses would be constituted to visit Ayodhya. (*Interruptions*)...The question of sending a team arose out of discussion that took place in this House. It was also a decision announced in the House. It may not have been a House Committee in formal terms. But this House has a right, an undeniable right, to know what the report contains and discuss that report. I don't think that it falls within the discretion of the Government....

श्री राम नरेश यादव : मैडम...

उपसभापति : आप बैठ जाइए। यह अच्छा नहीं लगता है कि एक मेंबर बोल रहा है और आप खड़े हैं।

SHRI S. JAIPAL REDDY: To deny the House access to the report. Government has no option whatsoever. It does not fall within the ambit of Government's discretion. The Government is duty-bound, honour-bound to share the report with the House and the House is duty-bound to discuss the report.

SHRI S. B. CHAVAN: I don't disagree with what the leader of the Opposition has said. Both in the Lok Sabha and in the Rajya Sabha questions had been raised by hon. Members and in response to that this Committee was constituted. It is not denied by the Government at all. But there are some legal issues involved. I have to examine it. I am not ruling out the possibility of placing the report on the Table of the House. I merely said that I have to get the entire thing properly scrutinised.

SHRI S. JAIPAL REDDY. The Government has no option.

SHRI S. B. CHAVAN: No, there is an option available, not that it is not available. There is an option available, but I am not ruling out the possibility of placing the report on the Table of the House. Before doing that I have to examine the entire thing from different angles. Thereafter, if I come to the conclusion that if it is placed on the Table of the House it will serve the best interests of the country, certainly I will do it.

श्री राम नरेश यादव : महोदया,

उपसभापति : यादव जी, आप काफी बोल चुके। ...(**व्यवधान**)...

श्री राम नरेश यादव : महोदया, मैं आपका संरक्षण चाहता हूं उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियां बढ़ रही हैं। कल ही यह 12 व्यक्ति मारे गए और 1 25 घायल हुए हैं। मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि उस बारे में गृह मंत्री जी द्वारा जानकारी करके सदन में वक्तव्य दिया जाये यह बहुत गंभीर घटना हुई है।... (**व्यवधान**)

SHRI YASHWANT SINHA (Bihar): I would like to remind the hon. Home Minister that ...(*Interruptions*).

SHRI KAPIL VERMA: Madam, fierce fighting is going on in Kabul. Today ...(*Interruptions*).

SHRI YASHWANT SINHA: Let me complete this. Madam, I would like to remind the hon. Home Minister that he made his statement in this House on the question of goings-on in Ayodhya. Then he said that he was depending on the report of the UP Government for facts. Many of us here then and subsequently challenged the facts which have been stated by the Home Minister in this House. It was in order to verify these facts that he agreed to the demand in this House and perhaps in the other House to constitute a joint team of the NIC and the Members of Parliament to visit Ayodhya and then come back to this House with the facts of the case. I would like to tell the hon. Home Minister and you, Madam Deputy Chairman, that I as the leader of my group in the Rajya Sabha was approached by the hon. Minister for Parliamentary Affairs to nominate a Member from my group. Why did he do that? If it was entirely within the competence of the Government, the Government should have done it on its own. But I was asked to nominate a member from my group to accompany the team of Members of Parliament. We did so. Therefore, I entirely agree with Mr. Jaipal Reddy that the Home Minister cannot take the plea that he will consider and that he is not ruling out the option. He must make a commitment in this House here and now that he will place the report on the Table and share the report with us because the House has the right to know the facts which have been unearthed or discovered by this fact-finding team. We have a right to discuss this matter. (*Interruptions*)

SHRI N. K. P. SALVE (Maharashtra): Madam, I will take one minute .. (*Interruptions*).

SHRI DIPEN GHOSH: The report should have (*Interruptions*).

SHRI N. K. P SALVE: Madam, it is impossible to deny to the Government its right to scrutinise the report and take such decision as it wants. In fact, that is its obligation. They must do it. For that we have nothing to say. But the very purpose for which the Committee was sent—I plead very fervently with the Home Minister on that—for which a decision was taken to which the Government is also a party, in my opinion, will be totally frustrated if this House does not get opportunity to discuss the whole matter and if the whole nation does not know from this House what the real state of affairs is in UP. This Committee was constituted not because it was required by the House rules or by anything else but because perhaps the House did not fully believe the report of the UP Government. If that be so, are we not, is the nation not entitled to know from the Members who have visited Ayodhya as to what real state of affairs is? That would remain unknown, if you don't place the report on the Table of the House and if it is not discussed. I fervently plead with you to take a decision to lay it on the Table of the House and bring it for discussion as soon as you can. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: That matter is closed now. There are other things also. (*Interruptions*).

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Madam, one small point. Madam, if you go through the records you will find that it was I who made a demand originally that a team of the Standing Committee of the NIC should go there. At that time the reason was that the Home Minister was not able to authenticate the report of the Chief Minister. The team was sent so that Parliament could find out what the facts are. Therefore, the report should be placed on the Table of the House at the earliest so that Parliament can know what the facts are. That is why the Committee went there.

SHRI KAPIL VERMA: Madam, I want to know about the safety of Indians in Kabul. Madam, fierce fight-

[Shri Subramanian Swamy]

ing is going on in Kabul. Even our Embassy is under siege. Our Ambassador is there. Fifteen members of the diplomatic staff are there. A large number of Indian are there in Kabul. I would like the Government to ensure that everybody is safe in Kabul. Also, we want to know the fate of Dr. Najibullah. The Government should make a statement about its reaction to the events in Afghanistan. I want the Government of India to make a statement.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: There is a Babri Masjid in Kabul also... (*Interruptions*)

श्री शंकर दयाल सिंह : मैडम, मैं एक जरूरी बात की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं।

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am taking the Statutory Resolution .... (*Interruptions*) I am not allowing any more discussion ... (*Interruptions*). बैठिए। आप बोल चुके हैं अभी नहीं।

STATUTORY RESOLUTION SEEKING APPROVAL OF PRESIDENT'S PROCLAMATION IN RELATION TO NAGALAND AND MOTION SEEKING DISAPPROVAL OF THE PROCLAMATION

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): Madam, I rise to move.... to move ... (*Interruptions*) ...

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : मैडम, मैं केवल इतना कहना चाहता हूं कि संविधान की धारा 153, 154, 155 के अनुसार राज्यपालों की नियुक्ति हुआ करती है। दिल्ली के राज्यपाल हटाए गए हैं या दिल्ली के राज्यपाल ने इस्तीफा दिया है, यह बात सदन में अभी तक नहीं आ सकी है। ..(व्यवधान).. लेकिन जिस तरह से दिल्ली के राज्यपाल श्री मार्कंडेय सिंह जी को हटाया गया, वह उचित नहीं है और संविधान का उल्लंघन है। इसलिए महोदया मैं चाहता हूं कि गृह मंत्री जी को इस समय सदन के सामने एक ब्यान देना चाहिए, यह बहुत आवश्यक है।

SHRI M. M. JACOB: I rise to move .. (*Interruptions*).

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : मैडम, मैं बहुत पहले का खड़ा हूं।

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not permitting you ... (*Interruptions*).

श्री ईश दत्त यादव : मैं केवल दो ही मिनट का समय लूंगा, ज्यादा नहीं लूंगा।

उपसभापति : बैठिए। बाद में देखूंगी।

श्री ईश दत्त यादव : आपने कहा था ...

उपसभापति : अभी नहीं कहा था। आपको कुछ कहा नहीं था, इसलिए बैठिए।

श्री एम० एम० जैकब: यादव जी, थोड़ी देर के लिए बैठ जाइए।

उपसभापति : जैकब साहब, बोलिए।

SHRI M. M. JACOB: Madam, I rise to move ... (*Interruptions*) ...

श्री ईश दत्त यादव : उत्तर प्रदेश की हालत दिनोंदिन खराब होती जा रही है...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please don't disturb Mr. Jacob.... (*Interruptions*) I am not permitting you... (*Interruptions*).

श्री ईश दत्त यादव : उस दृष्टि से...

उपसभापति : देखिए, मेरी अनुमति के बगैर आप बोलेंगे तो यह वह रिकार्ड में नहीं जाएगा।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : वहां लाखों लोग गए हुए हैं। उत्तर प्रदेश में कुम्भ मेला लगा हुआ है। ... (व्यवधान) .. उसके बारे में क्यों नहीं कहते।

श्री ईश दत्त यादव : पंजाब से भी ज्यादा खराब स्थिति उत्तर प्रदेश की हो गई है। इसलिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि गृह मंत्री महोदय सूचनाएं एकत्रित करके